फिर ते कोसिस करबे ते कभऊ मत घबराओ,
क्योंकि या बार सरुआत सून्य ते नांय अनुभव ते होगी।

बिरजभासा की उन्नति और विकास

लाड़ली पतरिका

जनबरी ते मार्च-2024

nirmaan
empowering communities

छापबे बारी
निरमान सुसाइटी
www.brajbhasha.org.in

बिरज भासा में गीत

1. आज बिरज में होरी

आज बिरज में होरी रे रसिया। होरी तो होरी बरजोरी रे रसिया।।

उड़त अबीर गुलाल कुमकुमा, केशर की पिचकारी रे रसिया।

आज बिरज में होरी रे रसिया...

उतते ग्वाल बाल सब आवत, इत वृषभान दुलारी रे रसिया।

आज बिरज में होरी रे रसिया...

बाजत बीन मृदंग पखावज, गावत दे दे तारी रे रसिया।

आज बिरज में होरी रे रसिया...

श्याम श्यामली खेलें होरी, अद्‌भुत रूप तिहारों रे रसिया।

आज बिरज में होरी रे रसिया...

अपने अफने घर से निकली, कोई गोरी कोई कारी रे रसिया।।

आज बिरज में होरी रे रसिया...

2. होरी आई रे

होरी आई रे, आई रे, होरी आई रे।

झूमती गाती रंग बरसाती, होरी आई रे...

निकल पड़ी गोरी अब घर से,

मारें पिचकारी रंग भर भर के, होरी आई रे...

तन रंग डाला, मन रंग डाला,

अबीर लगाओ जी भर के। होरी आई रे...

घूंघट लगाओ गोरी, मुखड़ा दिखाओ,

दूर मत जाओ गोरी डर डर के। होरी आई रे...

गलती भी होंगी और गलत भी समझो जाएगो, ई जिंदगी है जनाब यहां तारीफ भी होंगी और कोसो भी जायेगो।

चुटकला

1.आधार कार्ड

एक गांम में आधार कार्ड बनरे।

आधार कार्ड बनाबे बारे भईया ने एक बईयर ते बाके घरवारे कौ नाम पूछ लियौ?

बईयर बोली- हमारे यहां घरवारे कौ नाम नां लैमै हैं।

आधार कार्ड बनाबे बारे भईया - कछु हिंटई दे देयो में भर दुंगौ।

बईयर बोली- 3 गंजी 3 गंजी।

आधार कार्ड बनाबे बारे भईया चकरा गौ ।

तभई बगल में खड़ौ एक लड़का बोलो-" छगनजी "

2.एक चैंटी

एक बार चैंटी टम्पू में बैठकैं कहीं जा रई,

नेंक देर बाद बानै अपनौ एक पांम टम्पू ते बाहर निकालौ

टम्पू बारौ बोलो- मैडम, पांम भीतर कर लेयो,

चैंटी ने जवाब दियौ - तुम चुप रेहो, मोय हाती में लात मारनी है,

बानै कल मोय आंख मारी हती।

जिंदगी में हम कितेक सई और कितेक गलत हैं, याय सिर्फ दो ई मांईस जानै हैं।

भजन

बृज के नंदलाला ,राधा के सांवरिया।

सभी दुःख दूर हुए , जब तेरा नाम लिया।

मीरा पुकारी जब ,गिरिधर गोपाला।

ढल गया अमृत में ,विष का भरा प्याला।

कौन मिटाए उसे, जिसे तू राखे पिया।

सभी दुःख दूर हुए , जब तेरा नाम लिया। टेर।

जब तेरे गोकुल में , आया दुख भारी।

एक इशारे से ,सब विपदा टारी।

मुड़ गया गोवर्धन ,तुने जहाँ मोड़ दिया।

सभी दुःख दूर हुए , जब तेरा नाम लिया । टेर।

नैनो में श्याम बसे , मन में गिरधारी।

सुध बिसराए गई ,मुरली की धुन प्यारी।

मन के मधुबन में ,रास रचाये रसिया।

सभी दुःख दूर हुए , जब तेरा नाम लिया

बृज के नंदलाला ,राधा के सांवरिया।

सभी दुःख दूर हुए , जब तेरा नाम लिया।

मैले और गंदे लत्तान ते हमें सरम आबै है, तो गंदे और मैले विचारन ते हमें सर्मानौ चहिये।

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, तहसील-डीग,

जिला-भरतपुर, राजस्थान-321203

मोबाईल नं. 8696208682, 9587593455

बेबसाइट: www.brajbhasha.org.in,

www.nirmaan.org.in

ई-मेल: rajasthanlanguages@nirmaan.org.in ,

info@nirmaan.org.in